वाल पोस्टर कॉमिक्स

एक असरदार अभियान

शरद शर्मा, लैफ पैक्लिन

वर्ल्ड कॉमिक्स इंडिया

वर्ल्ड कॉमिक्स इंडिया

वर्ल्ड कॉमिक्स इंडिया, कलाकारों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, पत्रकारों और दूर दराज के क्षेत्रों में काम करने वाले समर्पित लोगों का संगठन है, इसका गठन वर्ष 2002 में हुआ था। इसके पीछे सोच यह थी कि सामाजिक संगठन और आन्दोलन से जुड़े लोगों को होने वाली सूचना व संवाद सम्बन्धी समस्याओं से छुटकारा मिल सके। इसके लिए कॉमिक्स को एक माध्यम चुना गया और देश भर में कार्यशालाओं का दौर शुरू हुआ, आज यह संगठन दक्षिण एशियाई देशों तथा भारत के बीस से भी ज्यादा राज्यों में काम कर रहा है। कॉमिक्स को लोकप्रिय बनाने के साथ–साथ इसे संवाद का एक माध्यम बनाने की भी कोशिश की है, इसके तहत कॉमिक्स कार्यशालाओं के अलावा सेमिनार, प्रदर्शनियां आदि कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं। वर्ल्ड कॉमिक्स इंडिया सामाजिक संगठनों के अलावा मास–कम्यूनिकेशन व फाइन आर्ट के छात्रों के साथ भी कार्यशालाएं आयोजित करता है।

वर्ल्ड कॉमिक्स इंडिया
शरद शर्मा
बी–20–एस, दिल्ली पुलिस अपार्टमेंट
मयूर विहार, फेस–1, दिल्ली – 110091
telephone +91-9811702925

e-mail: mail@worldcomicsindia.com
website: www.worldcomicsindia.com

WORLD COMICS-FINLAND

World Comics-Finland (WCF) was founded by comics artists and aid activists in 1997. It has members and affiliates in a worldwide network. The main common interests are:

- **local comics as a mirror of culture**
- **local comics as an information tool in development and human rights work**
- **comics as a medium for self-expression in small and alternative groups**

World Comics arranges lectures, exhibitions, courses and comics workshops in Finland and abroad. Currently we have cooperation with organisations in Tanzania, Mozambique, Kenya, Morocco, Lebanon and India. We have also invited comics artists from several countries to Finland and presented their work there.

World Comics-Finland
Leif Packalén
Vanamontie 4 E 156
01350, Vantaa, Finland
telephone +358-9-8736751 or cell phone +358-40-5318235
e-mail leif.packalen@worldcomics.fi

website: www.worldcomics.fi

Publication details: Copyright: Manuscript and graphic design, Leif Packalén, March 2004, Helsinki. Illustrations: Leif Packalén and Sharad Sharma (back cover). The samples are from wallposter comics made at different workshops in India. *No reproduction of any material from this publication is allowed unless there is a written agreement from either World Comics Finland or World Comics India.*

सूचना पहुंचाने के लिए वॉल पोस्टर कॉमिक्स एक नया किन्तु मजेदार और असरदार माध्यम है। ऐसे वाल-पोस्टर बहुत ही कम लागत में तैयार किए जा सकते हैं, इसे कोई भी व्यक्ति सिर्फ थोड़ी सी तकनीकी जानकारी के बाद तैयार कर सकता है, वॉल पोस्टर जब दूर-दराज के गांव या कस्बों में लगाए जाते हैं तो स्थानीय लोग इसे बेहद रुचि से पढ़ते हैं। स्थानीय भाषा बोलते पात्र और आस-पास का अपना सा दिखने वाला वातावरण इसकी विशेषता है।

इन वॉल पोस्टरों को बनाना बहुत महंगा नहीं है सिर्फ फोटोकापी या स्क्रीन प्रिंटिंग की मदद से इसे तैयार किया जा सकता है और गांव में दीवार पर चौपाल में, ग्राम सभा बैठक स्थल, मुख्य रास्तों, दुकानों आदि महत्वपूर्ण जगहों पर लगाया जा सकता है। इन वॉल पोस्टरों को कैसे बनाया जाए इसका सरल तरीका इस पुस्तिका में दिया जा रहा है।

पृष्ठ सूची

1.	वॉल पोस्टर कॉमिक्स	–	4
2.	कॉमिक्स का नाप-जोख और सज्जा	–	5
3.	कहानी कैसे लिखें	–	6
4.	कहानी को कॉमिक्स के लिए तैयार करना	–	7
5.	कहानी में संवाद व चित्र बनाना	–	8
6.	कॉमिक्स में शब्द कैसे लिखें	–	9
7.	शीर्षक	–	10
8.	गहराई और परिप्रेक्ष्य	–	11
9.	अग्रभूमि और पृष्ठभूमि	–	12
10.	मानव की आकृति बनाना	–	13
11.	चेहरों के हाव-भाव बनाना	–	15
12.	चित्रों में हलचल और आवाज दिखाना	–	16
13.	घटनाओं को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाना	–	17
14.	पक्के चित्र तैयार करना	–	18
15.	वॉल पोस्टर को प्रदर्शित करना	–	20
16.	कुछ नमूने/उदाहरण	–	21

ऐसा नहीं है कि अच्छे चित्रकार ही वॉल पोस्टर कॉमिक्स बना सकते हैं, बस इसके लिए तो एक अच्छी कहानी चाहिए, जिसके पात्र मजेदार और रोचक हों जिन्हें पाठक आसानी से पहचान सकें।

वॉल पोस्टर कामिक्स

शीर्षक की जगह

पैनल

संस्था की जानकारी की जगह

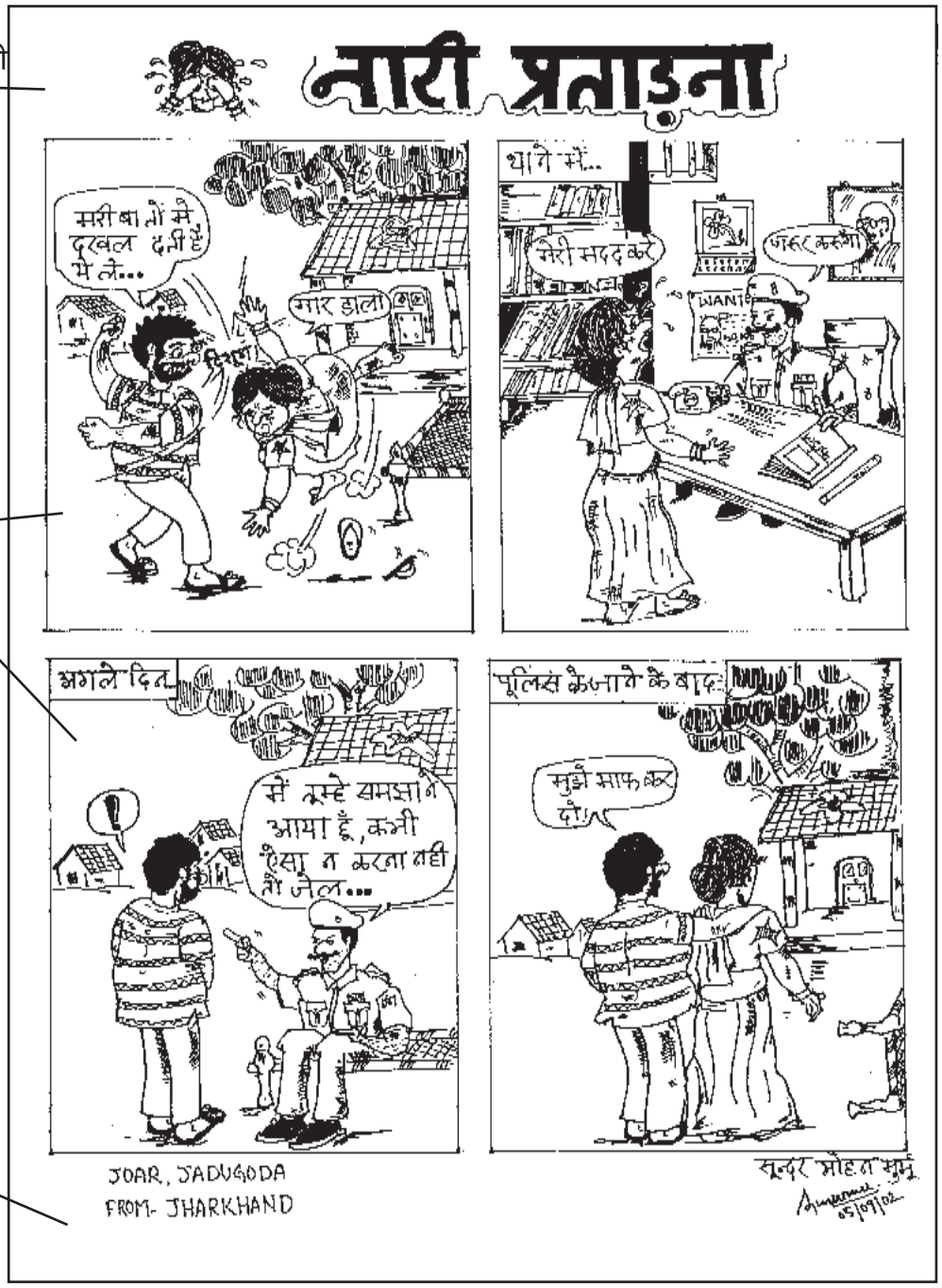

ऊपर दिखाए गए चार पैनल कॉमिक्स को छोटे आकार में फोटोकॉपी किया जा सकता है। इसके बाद इसी कॉमिक्स को नीचे दिखाई गई पट्टिका-कॉमिक्स में आसानी से बदला जा सकता है, यह अखबार व पत्रिकाओं के लिए अनुकूल आकार है।

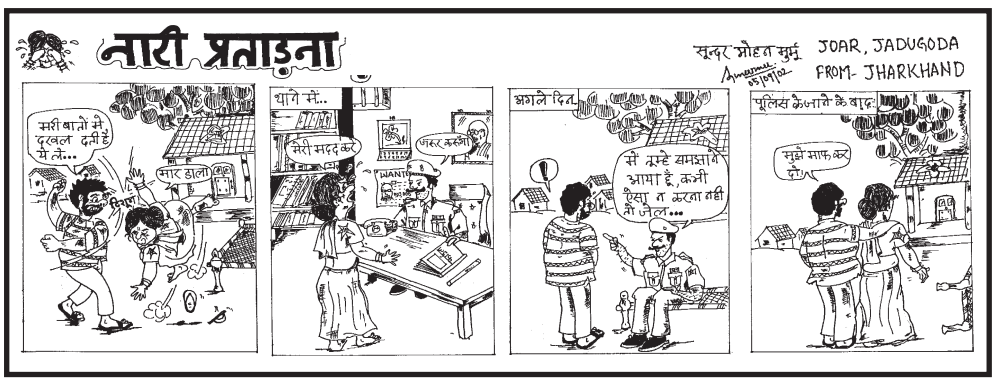

वॉल पोस्टर का नाप-जोख

यह वॉल पोस्टर बनाने की आसान विधि है इसमें आसानी से उपलब्ध कागज व पेन की मदद से वॉल पोस्टर बनाया जा सकता है। दो ए-4 आकार के कागजों को जोड़कर ए-3 आकार का वॉल पोस्टर तैयार किया जा सकता है, ऐसा इसलिए किया जाता है चूंकि ए-4 आकार का कागज और फोटोकॉपियर देश के हर भाग में आसानी से उपलब्ध होता है। नीचे चित्र में दिखाए अनुसार ए-4, आकार के दो कागज लो और दिखाए अनुसार प्रत्येक कागज पर दो बाक्स बनाआ, इन्हे पैनल - भी कहा जाता है।

नाप जोख

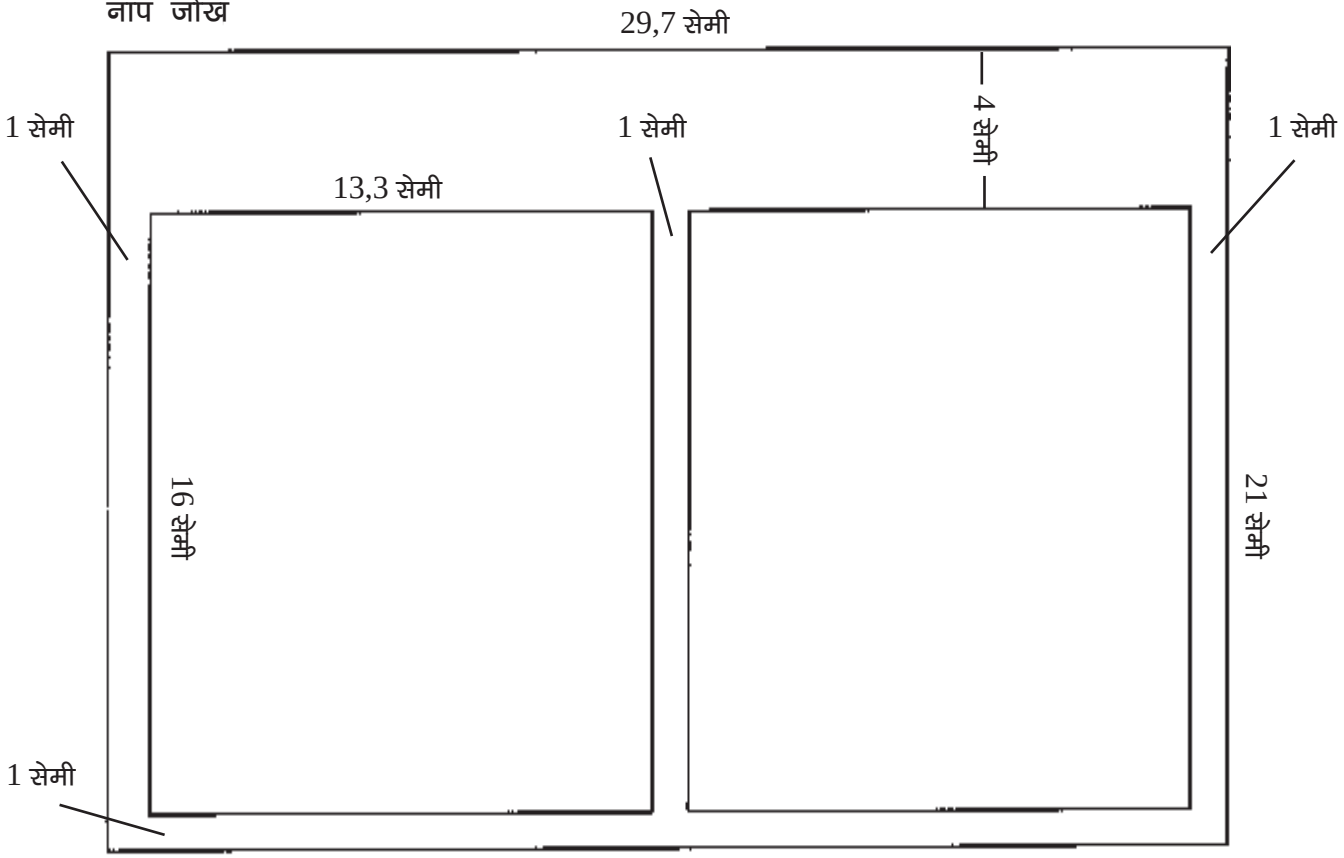

पहले कागज के ऊपर छोड़ी गई 5 सेमी की जगह कॉमिक्स का शीर्षक लिखने के लिए है और दूसरे कागज पर नीचे छोड़ा गया स्थान कलाकार का नाम एवं संस्था की जानकारी देने के लिए है।

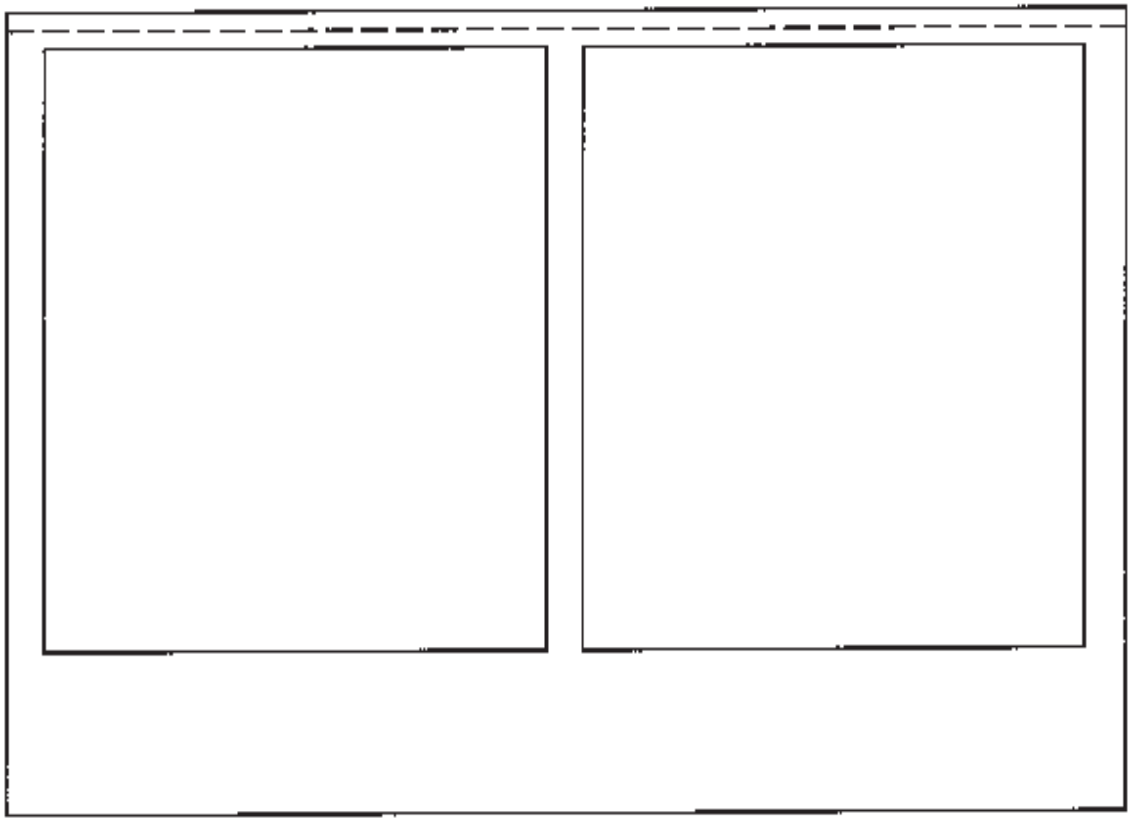

कहानी कैसे लिखें:

सबसे पहले आपको यह देखना होगा की आप अपनी कहानी के माध्यम से क्या कहना चाहते हैं किसी खास मुद्दे पर कहानी लिखनी है या कि वर्तमान व्यवस्था में बदलाव लाना चाहते हैं।

उसके बाद एक छोटी कहानी के बारे में सोचे, अच्छा होगा की कहानी चार या पांच वाक्यों में ही हो, अपनी कहानी पर किसी स्थानीय कार्यकता की राय जरूर जान लें।

कहानी में बहुत ज्यादा पात्र नहीं होने चाहिए।
कहानी की एक मजेदार शुरूआत होनी चाहिए और अन्त ऐसा हो जो आपकी बात व संदेश को व्यक्त कर सके।

उदाहरण – 1

अगर कहानी डायन – प्रथा पर लिखनी हो तो
दो व्यक्ति एक वृद्ध महिला को घसीटकर गांव से बाहर ले जाते हैं और दावा करते हैं कि वह एक डायन है। वह महिला गांव की पंचायत में शिकायत करती है। पंचायत दोनो पक्षों की बात सुनती है, लेकिन पंचायत के स्वीकार करने के पहले ही वे दोनों व्यक्ति यही कहते रहते हैं कि वह महिला डायन है। बाद में पुलिस आती है और उन दोनों दोषी व्यक्तियों को गिरफ्तार कर जेल में डाल देती है।

उदाहरण –2
अगर कहानी पानी के अधिकार पर लिखनी हो तो
दो महिलाएं अपना दुख एक दूसरे को सुनाती है कि ऊंची जाति के लोग उन्हें अपने कुंए से पानी नहीं भरने देते। वे दोनों वहां के स्थानीय महिला संगठन से बात करने के बाद मिलकर ऊंची जाति के लोगों के खिलाफ प्रदर्शन और धरना देते हैं अन्त में पुलिस आती है और दोषियों को गिरफ्तार कर लेती है।

कहानी का चुनाव करने के बाद अब बारी है कहानी को चित्रों में दर्शाने की, इसे कॉमिक्स की पाण्डुलिपि या आसान शब्दों में कहें तो कहानी को दृश्यों में ढ़ालने की प्रकिया है। हमारी कहानी के चार भाग हैं और आपको प्रत्येक भाग के लिए चित्रों की कल्पना करनी है।

कहानी की पाण्डुलिपि तैयार करना

अब हम कहानी को चार भागों/पैनल में विभाजित करेंगे। यहां ध्यान रखना होगा कि प्रत्येक भाग में कहानी कैसे विभाजित की जाएगी और प्रत्येक भाग में कहानी समान रूप से आगे बढ़े। यहां पर हमें दो बातों का ध्यान रखना होगाः–

1. शब्दों का कम से कम प्रयोग करें जो चित्र में दिखाया जाए उसे शब्द में न लिखें। जो महत्वपूर्ण/मुख्य विषय है उसके लिए ज्यादा जगह रखें। कहानी की महत्वपूर्ण घटना को स्पष्ट रूप से दिखाना जरूरी है अब हमारी पाण्डुलिपि कुछ इस तरह से दिखाई देगी।

उदाहरण **1**

उदाहरण **2**

कहानी में संवाद व चित्र बनाना

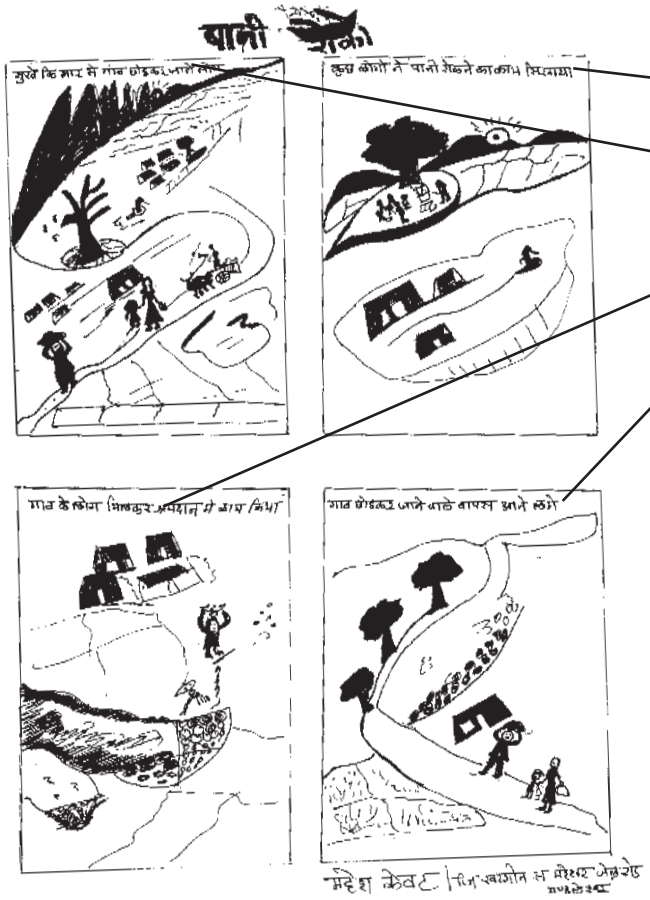

कहानी की शुरूआत या उसका परिचय पैनल में एकदम शुरू में लिखा जाता है।

पढ़ने का क्रम हमेशा बाईं तरफ से दाईं तरफ और

सवाल यहां

जवाब यहां

विवरण (जैसे समय व स्थान) हमेशा ऊपर बाएं

कॉमिक्स में शब्द कैसे लिखें

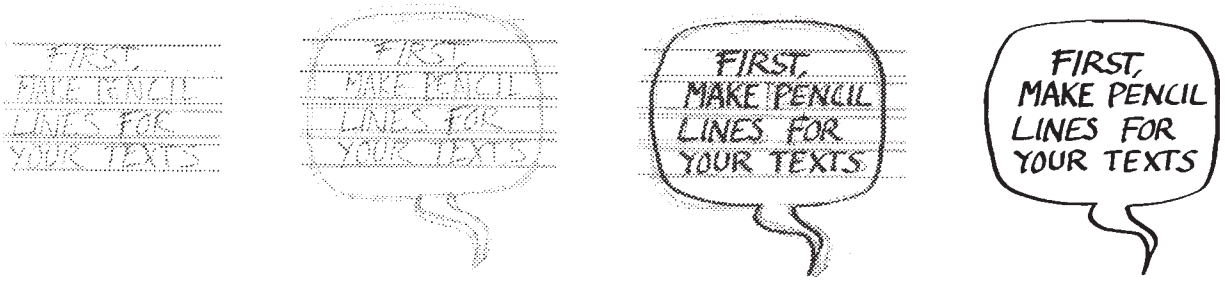

पहले पेंसिल से रेखाएं खींचे फिर उसमें बीच में शब्द लिखें। अब उस वाक्य को पुनः पढ़ें और गलतियां दूर करें। अब यह पेन से लिखने के लिए तैयार है। अब इसे इस प्रकार बक्से में बंद कर सकते हैं। इस बक्से को बैलून या गुब्बारा भी कहते हैं। दो रेखाओं के बीच में पर्याप्त जगह का होना बहुत जरूरी है। इससे पाठक को पढ़ने में आसानी होती है।

शब्दों के गुब्बारे आप किसी भी आकार में बना सकते हैं बस उसके तीर की दिशा बोलने वाले व्यक्ति की तरफ होनी चाहिए।

वॉल पोस्टर –कॉमिक्स में जो शब्द हैं, वे कम से कम एक सेमी. बड़े होने चाहिएं ताकि लगभग एक मीटर की दूरी से उन्हें आसानी से पढ़ा जा सकें। इस आकार में शब्द लिखने का एक फायदा यह भी है कि जब हम इसी वॉल पोस्टर को पट्टी के आकार में बदलेंगे, तब भी इन शब्दों को आसानी से पढ़ा जा सकेगा।

वॉल–पोस्टर का शीर्षक

वॉल पोस्टर के शीर्षक के माध्यम से हम बहुत सी जानकारी दे सकते हैं। कहानी का शीर्षक आकर्षक होना चाहिए, किन्तु ऐसा न हो कि पूरी कहानी ही हम शीर्षक में कह डालें। चूंकि कॉमिक्स चित्रों के माध्यम से कही जाने वाली कहानियां होती हैं, इसलिए अच्छा यह होगा कि जहां तक सम्भव हो, हम शीर्षक में भी चित्रों का इस्तेमाल करें। जैसा कि नीचे कुछ उदाहरणों में दिखाया गया है:

वृक्षों की कटाई पर सिंधु सिंह की कहानी. झारखंड, 2003

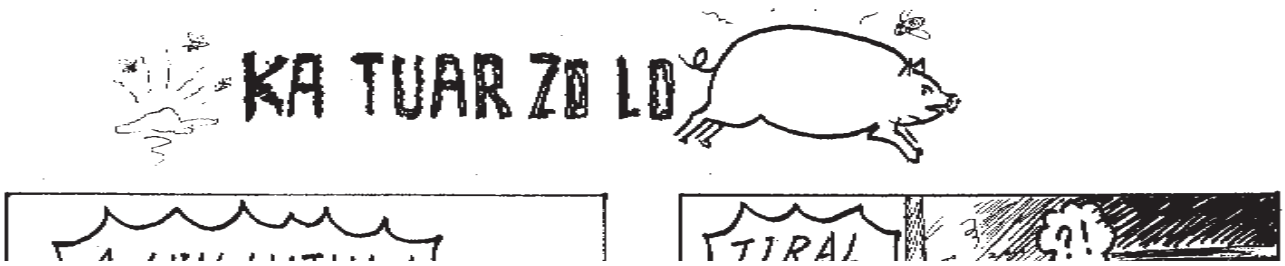

पड़ोसी के सूअर पर आधारित हमिंग्माई (अमोई) चैतलांग की कहानी, मिजोरम, 2003

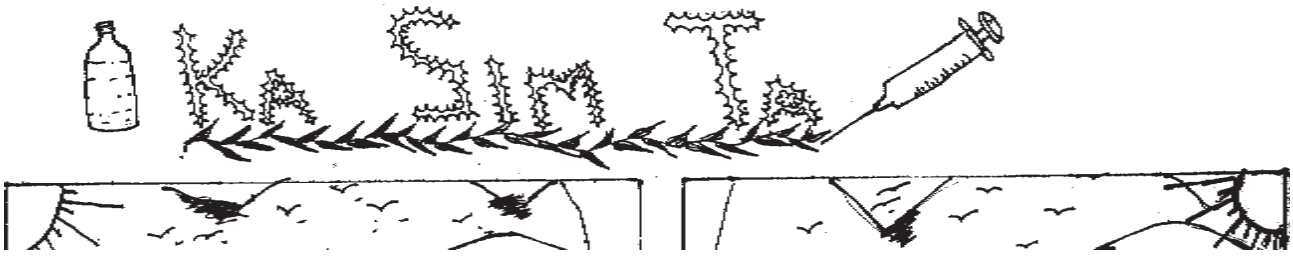

इ्रग की लत पर आर. लालनुनपरि की कहानी, मिजोरम, 2003

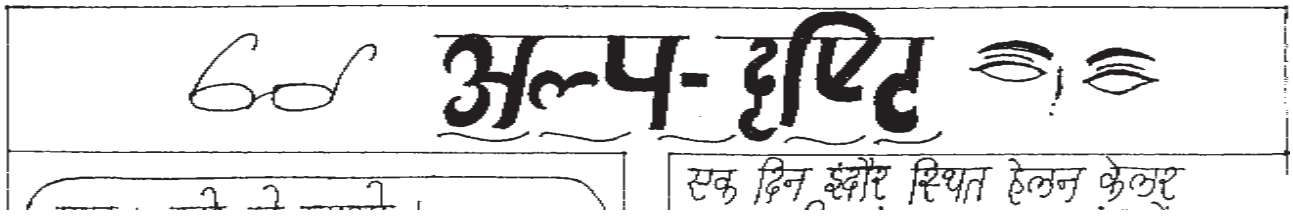

आंखों के डॉक्टर पर मीनाक्षी सेंगर की कहानी, मध्यप्रदेश, 2002

चुनाव पर आधारित कहानी, जोहार की कार्यशाला, झारखंड, 2003

गहराई और परिप्रेक्ष्य

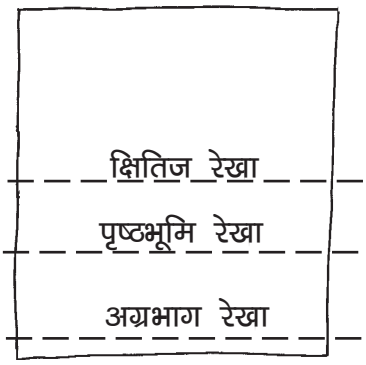

ऊपर दिखाए अनुसार पेन्सिल से तीन रेखाएं बनाओ

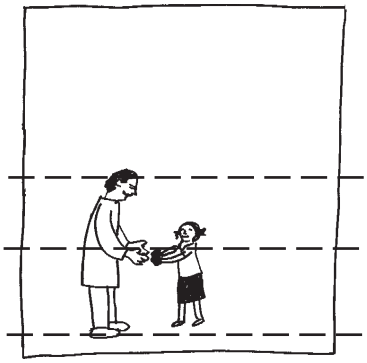

कहानी के मुख्य पात्रों को अग्रभाग रेखा पर बनाओ

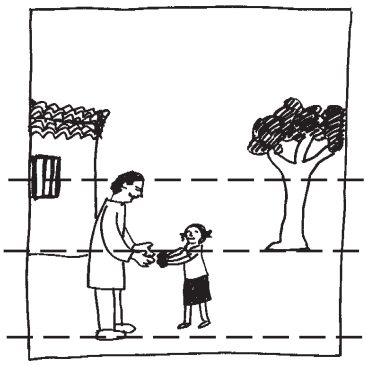

अन्य दृश्य पृष्ठभूमि रेखा पर बनाओ

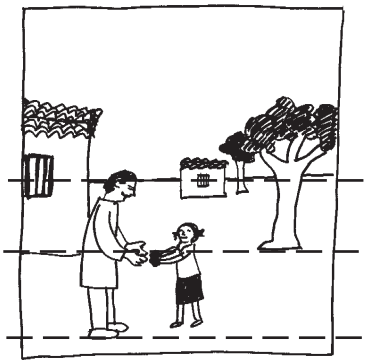

बहुत दूर के दृश्य या चीजों को क्षितिज रेखा पर बनाओ

रबर की सहायता से पेंसिल रेखाओं को मिटाओ

दृश्य को रोचक व सुन्दर बनाने के लिए कुछ और ड्राइंग की जा सकती है

कुछ अन्य नमूने

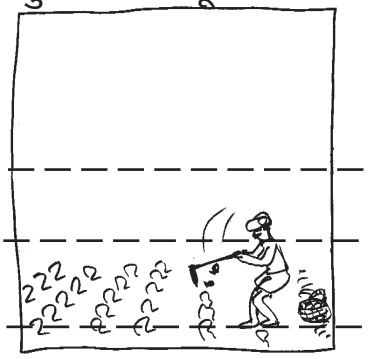

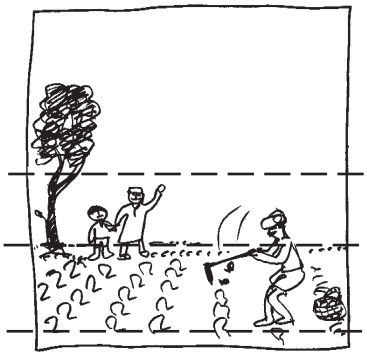

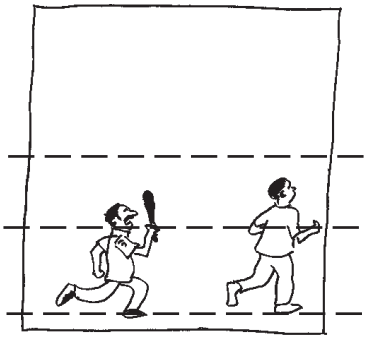

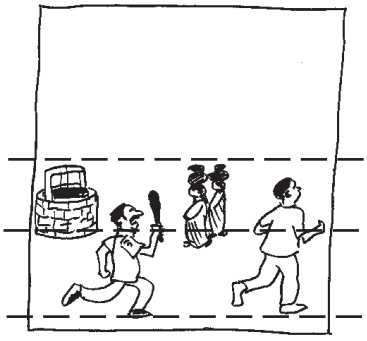

अग्रभूमि और पृष्ठभूमि

कॉमिक्स में प्रमुख घटना व प्रमुख पात्र अग्रभाग में दिखाए जाने चाहिए। उसी प्रकार पात्रों द्वारा बोले जाने वाले संवाद भी अग्रभाग में होंगे। इस पैनल में पात्रों और संवाद को पाठक ठीक से समझ सकें इसके लिए पृष्ठभूमि की आवश्यकता होती है। जैसा कि दिखाए चित्र से पता चलता है कि यह एक गांव में राशन की दुकान का दृश्य हैं। जिसमें एक व्यक्ति पिछले दरवाजे से सामान ले जा रहा है, इस तरह पाठक को पृष्ठभूमि में बनाए गए चित्र से अतिरिक्त सूचना मिलती है।

इस चित्र में दृश्य पृष्ठभूमि में है और संवाद अग्रभाग में प्रमुखता में दिखाया गया है।

इस चित्र में प्रदर्शनकारी भीड़ भी उतनी ही महत्वपूर्ण है जितना कि अग्रभाग में जमींदार को गिरफ्तार करता हुआ पुलिस वाला।

पैनल में खाली स्थान का भी उतना ही महत्व है जितना कि चित्रों का।

मानव आकृति बनाना

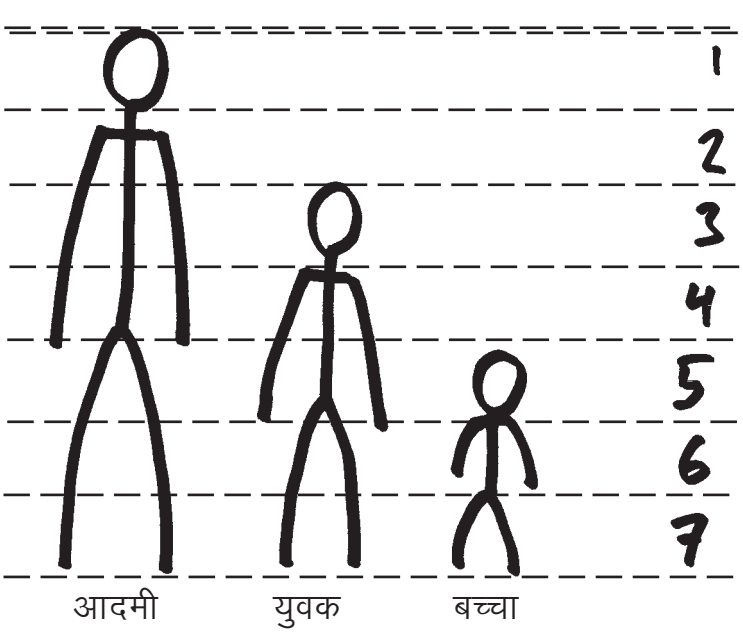

मानव आकृति बनाना बहुत मुश्किल नही है। सबसे पहले सीधे खड़े हुए व्यक्ति की आकृति बनानी चाहिए उसके बाद विभिन्न मुद्राएं जैसे चलते हुए, कुर्सी पर बैठे हुए आदि अलग–अलग मुद्राओं में व्यक्ति का चित्र बनाने का प्रयास करो।

मानव आकृति बनाने के लिए आमतौर पर कुछ अनुपात को ध्यान में रखा जाता है इसे दाईं तरफ एक तालिका के माध्यम से भी समझाया गया है, जैसे कि यदि आपको सामान्य आकार के इंसान का चित्र बनाना है तो उसकी कुल लम्बाई उसके चेहरे की लम्बाई से सात गुना बड़ी होगी तभी चित्र एक निश्चित अनुपात में दिखाई देगा।

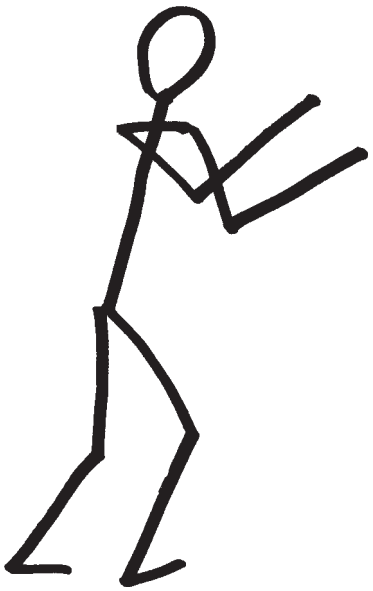

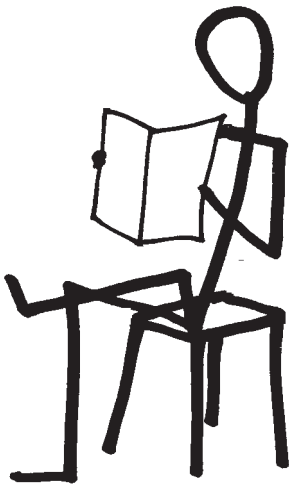

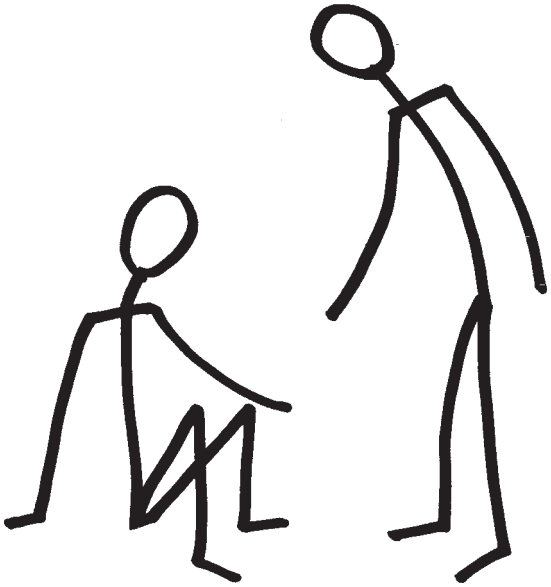

मानव आकृति बनाना–2

प्रथम चरणः– सबसे पहले कुछ रेखाओं से मानव का एक कंकाल बनाओ

द्वितीय चरणः–अब मांस और कपड़े इस तरह

तश्तीय चरणः– पेन से पक्का चित्र बनाओ और पेंसिल के निशान मिटाओ

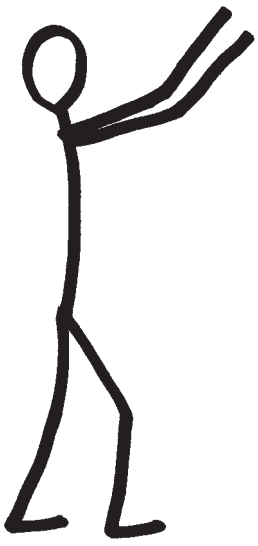

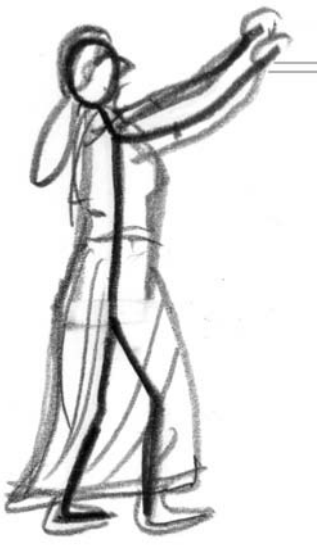

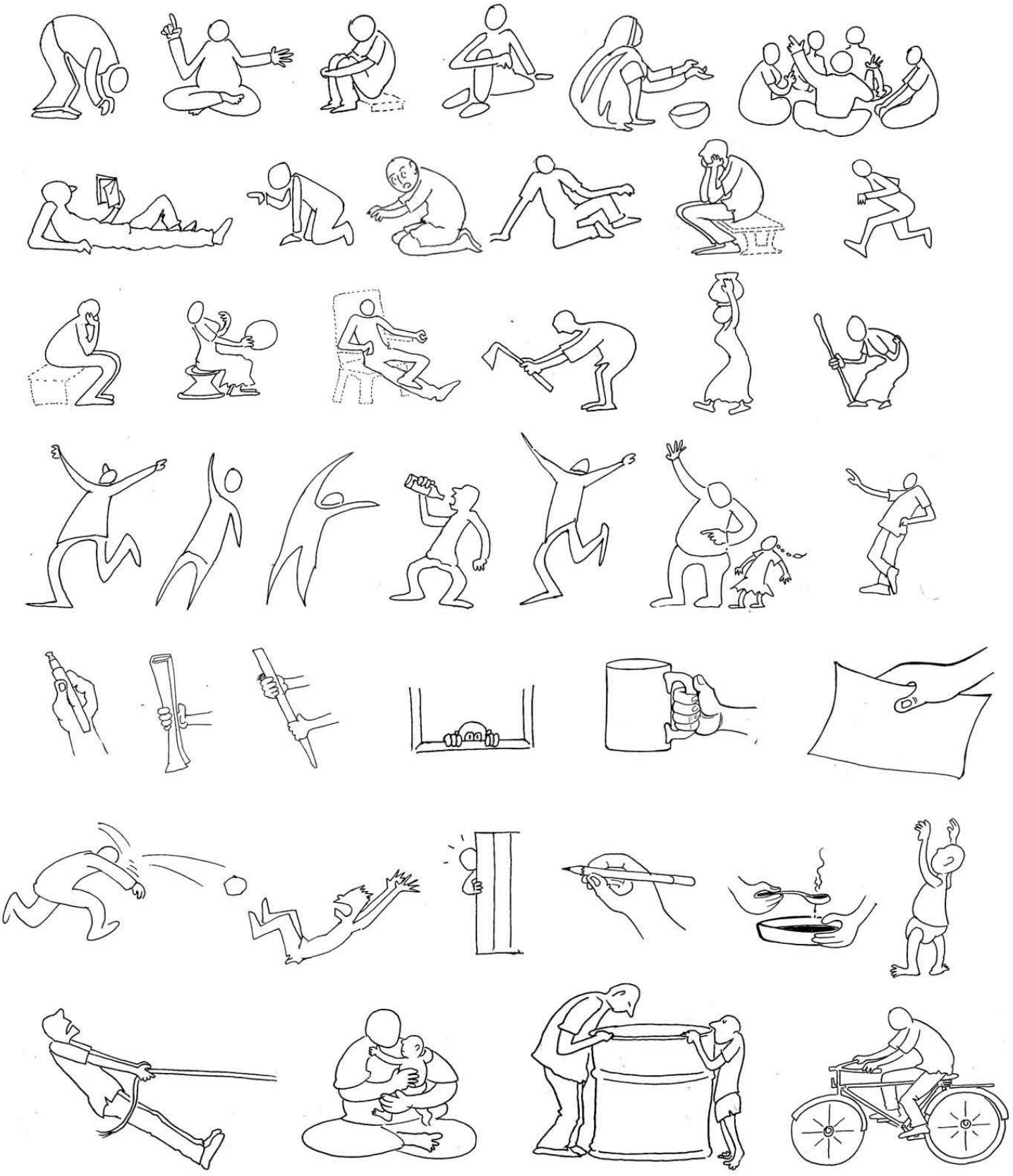

चेहरे के हाव–भाव नीचे दिखाए अनुसार बस कुछ रेखाएं खींचकर बदले जा सकते हैं।

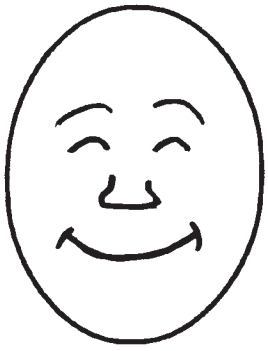

मुस्कुराहट

दुःखी

गुस्सा

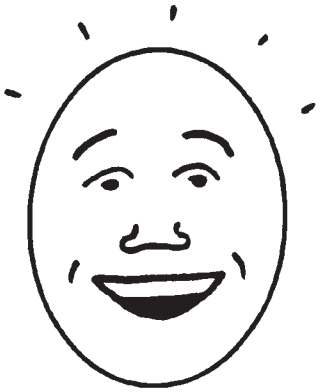

खुशी

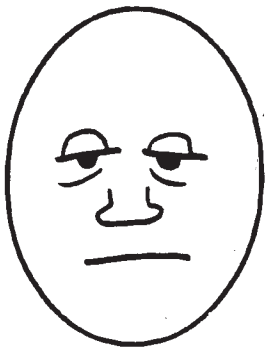

थकान

इतराना

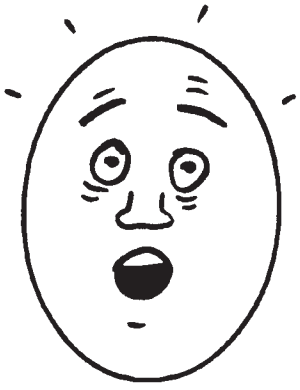

आश्चर्य

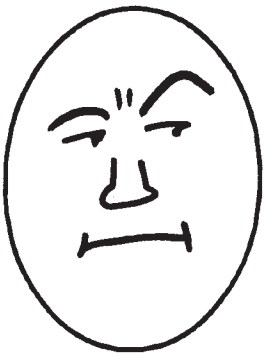

शक्ति

शर्म

भय

नशे में

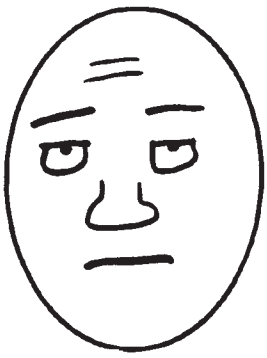

सोंचते हुए

कॉमिक्स में गति, आवाज आदि प्रभावों को दर्शाना

कॉमिक्स में कुछ विशेष प्रभावों और संकेतों को दर्शाने का अपना अलग तरीका है। जैसे कि आवाज, गति आदि के लिए कुछ विशेष संकेत हैं। कुछ उदाहरण:

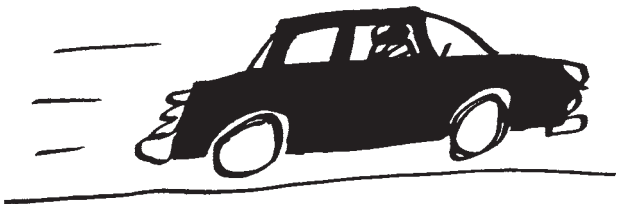

गति और दिशा को कुछ इस तरह दिखाया जाता है

आवाज और गेंद उछालने का संकेत

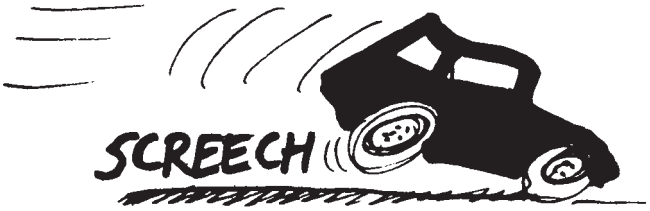

कार में तेज गति से ब्रेक लगाने पर इस तरह आवाज और दृश्य

हाथ में दर्द को इस तरह छोटी रेखाओं व तारों के माध्यम से दर्शाया जाता है

संगीत की ध्वनि इस तरह के चिन्हों से

पंखे के घुमाव को इस तरह की रेखाओं से

हाथ के हल्के घुमाव को इस तरह छोटी रेखाओं से

घटनाओं को बढ़ा–चढ़ाकर दिखाना !

किसी कहानी में कभी–कभी किसी पात्र या वस्तु को उसके वास्तविक रूप से बढ़ा–चढ़ाकर भी दिखाया जाता है। यह मात्र उसके प्रभाव को दर्शाने के लिए किया जाता है। जैसा कि इस कहानी में दिखाया गया है कि मच्छर के काटने से मलेरिया होता है। इसमे मच्छर का आ. कार उसके सामान्य आकार से बड़ा दिखाया है चूंकि हम पाठक का ध्यान कहानी के खलनायक यानी मच्छर की ओर ले जाना चाहते हैं।

इस कहानी में गति को बढ़ा–चढ़ाकर दिखाया है। इस कहानी में जब एक आदमी एक महिला को मारता है तो वह महिला हवा में उछल जाती है। जबकि वास्तव में ऐसा सम. भव नहीं है। ये सब कहानी में नाटकीय प्रभाव लाने के लिए किया जाता है।

इस कहानी में नशे की हालत में जब एक आदमी को दुर्घटना के बाद अपने दोनों हाथ कटवाने पड़ जाते हैं, तब उसकी पत्नी उससे मिलने अस्पताल आती है और उसके लिए देशी शराब का बर्तन लाती है और कहती है कि ''लो! अब और शराब पीओ''।

कहानी में नाटकीय प्रभाव को बढ़ाने के लिए इस प्रकार के चित्र एवं संवाद का प्रयोग करते हैं।

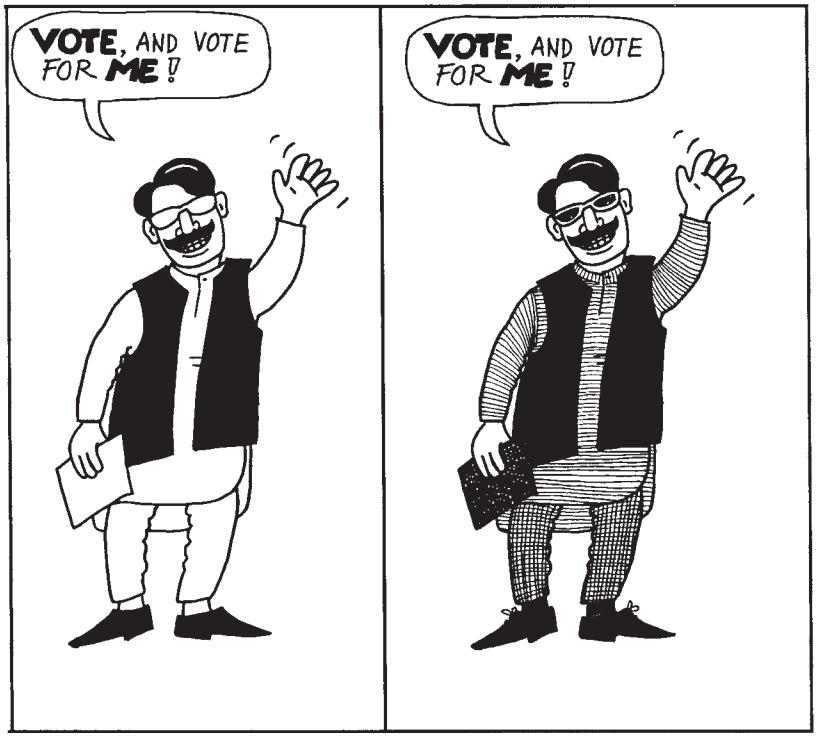

पेंसिल से बनाई गई रेखाओं को मिटा दो।

जैसा कि अगले पृष्ठ पर दिखाया गया है। पहले के दो पैनल में पेंसिल की रेखाओं पर पेन फेरा गया है। पेंसिल के निशान मिटाने के बाद चित्र नीचे के दो पैनलों की तरह दिखाई देगा।

चित्र को आकर्षक बनाने के लिए इस तरह काला रंग भरा जा सकता है

कपड़ों पर इस तरह सीधी और तिरछी रेखाएं खींचकर तरह–तरह की डिजाइन बनाई जा सकती है

वॉल–पोस्टर को प्रदर्शित करना

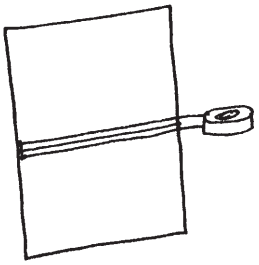

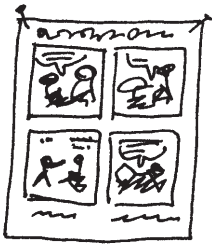

यदि आप वॉल–पोस्टरों को ऐसी जगह लगा रहे हैं तो आप पहले ए–4 आकार के दोनों कागजों को पीछे टेप की सहायता से जोड़ लें और उसे दीवार पर पिन या गोंद की सहायता से लगा दें।

आमतौर पर वॉल पोस्टरों को ऐसी जगह लगाया जाता है जहां व्यक्ति आते–जाते उसे आसानी से पढ़ सकें।

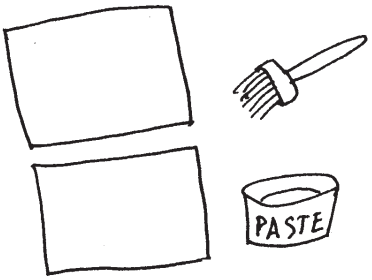

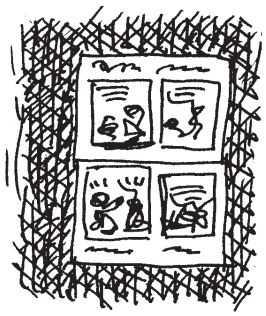

लेकिन यदि आप वॉल–पोस्टर को कहीं बाहरी दीवार पर लगा रहे हैं तो अच्छा होगा की आप ए–4 आकार के कागजों को सीधा ही दीवार पर लगा दें।

पोस्टर ऐसी जगह लगाएं जहां ज्यादा से ज्यादा लोग आते जाते हों लेकिन यदि आप किसी दुकान या घर के बाहर की दीवार पर पोस्टर लगा रहे हैं तो उसके मालिक से एक बार जरूर पूछ लेना चाहिए कि हम यहां पोस्टर लगा सकते हैं या नहीं अन्यथा आप बेवजह किसी विवाद में पड़ सकते हैं।

घर की बाहरी दीवारों

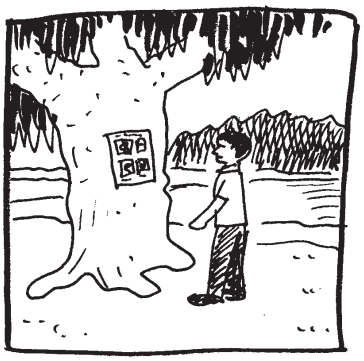

पेड़ पर

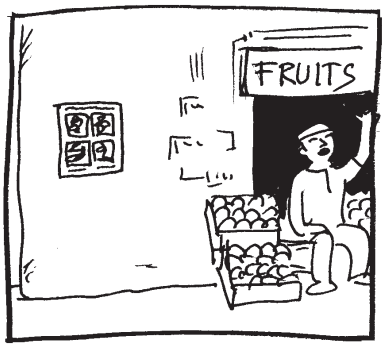

दुकान के पास

सूचना पट्ट पर

बस–स्टॉप पर

बाहरी दीवारों पर

स्वच्छता है, जहाँ, जिन्दगी है वहाँ
यह कितनी बड़ी दुविधा है कि शौच के लिए इतनी दूर जाना पड़ता है?
एक दिन गाँव मे घोर बारिश हो रही थी शौच करने जाते समय शीला......
धड़ाम
आह! आह!....
गाँव मे शौचालय न होने के कारण शीला बेटी की जान चली गई?
हाँ बिलकुल सही है। इसका एक ही हल है सार्वजनिक शौचालय बनाना।
पंचायत
और कुछ दिनो बाद-----
“अरे वाह” अब किसी को कोई परेशानी नही होगी।
गिरिराज कुमार रेगर
भू.पू. राष्ट्रीय सेवाकर्मी
नेहरू युवा केन्द्र झालावाड़ (राज.)

लुपुंगुटू मॉडेल स्कूल -चाईबासा ।

^fM;kx °níkh íkjkcΩ ihuk* ,d ifr&iRuh níkh íkjkc ihrs gSA lkbfdy ls ?kj tkrs le; nkuksa fxj tkrs gSA os ?kj tkus dh ctk; vLirky igqp tkrs gSA rc mUgsa ,glkl gksrk gS fd íkjkc ihuk fdruk [kjkc gSA °;g okYy ikLVj dkfeDl >kj[k.M dh LFkkuh; ^gk* Hkkîkk esa cuk;k x;k gSA bls >kj[k.M dh lLFkk ^tkgkj* ds dk;ZdrkZ ckekpju dqedy us 2003 dh dkfeDl dk;Z[kkyk ds nkjku cuk;k gSA

گناہ ؟؟!

xukg & vgen ,d en gku d ukr le>rk g fd ml viuh efgyk fe= d lkFk feyu dk ijk vf/kdkj g yfdu og viuh cgu ij ijh ikcnh yxk dj j[krk g A ,d fnu tc ml dh cgu ikuh yu tkrh g rk og ml /kedkrk g fd og jkLr e fdlh l ckr uk dj A tc og ikuh ydj viu ?kj YkkVrh g rk jkLr e ,d vtuch dk jkLrk crku d fy, :drh g A xko dk gh ,d 0;fDr ml d Hkkb dk bl ?kVuk d ckj e c<k p<k dj crk nrk g bll xLlk;k vgen viuh cgu dk ^^lEeku** d uke ij ekj Mkyrk g A vlhe fl/kh] ikfdLrku

n[c;y iteh & lFkku vkj vtirk ,d nlj; l I;kj djr; g; vtirk xHkorh gk; tkrh g; A lFkku dt firk T;knk ykyp e; ml dh ëkknh nlj;h yM+dh l; dj nrk g; A vtirk dgrh g; fd fd lh Hkh efgyk dk; detkj enl ij Hkjkslk ugh djuk pkfg, A bl ij ktk] Jhy;dk

foní k tku dk urhtk & ,d fnu jke dk nkLr foní k l: ?kuoku gkdj ykVrk g vkj ml: Hkh [krh NkM dj foní k tku dk dgrk g A ,d fnu jke tehu cpdj foní k pyk tkrk g A dN fnu ckn og viu ekrk &firk dk foní k l: ilk Hktrk gA tc ok ?kj ykVdj vkrk g rk n[krk g fd [krh cckn gk pdh g vkj firk dk Hkh ngkr gk pdk g vc ok iNrkrk gA xkxk jk;] uiky

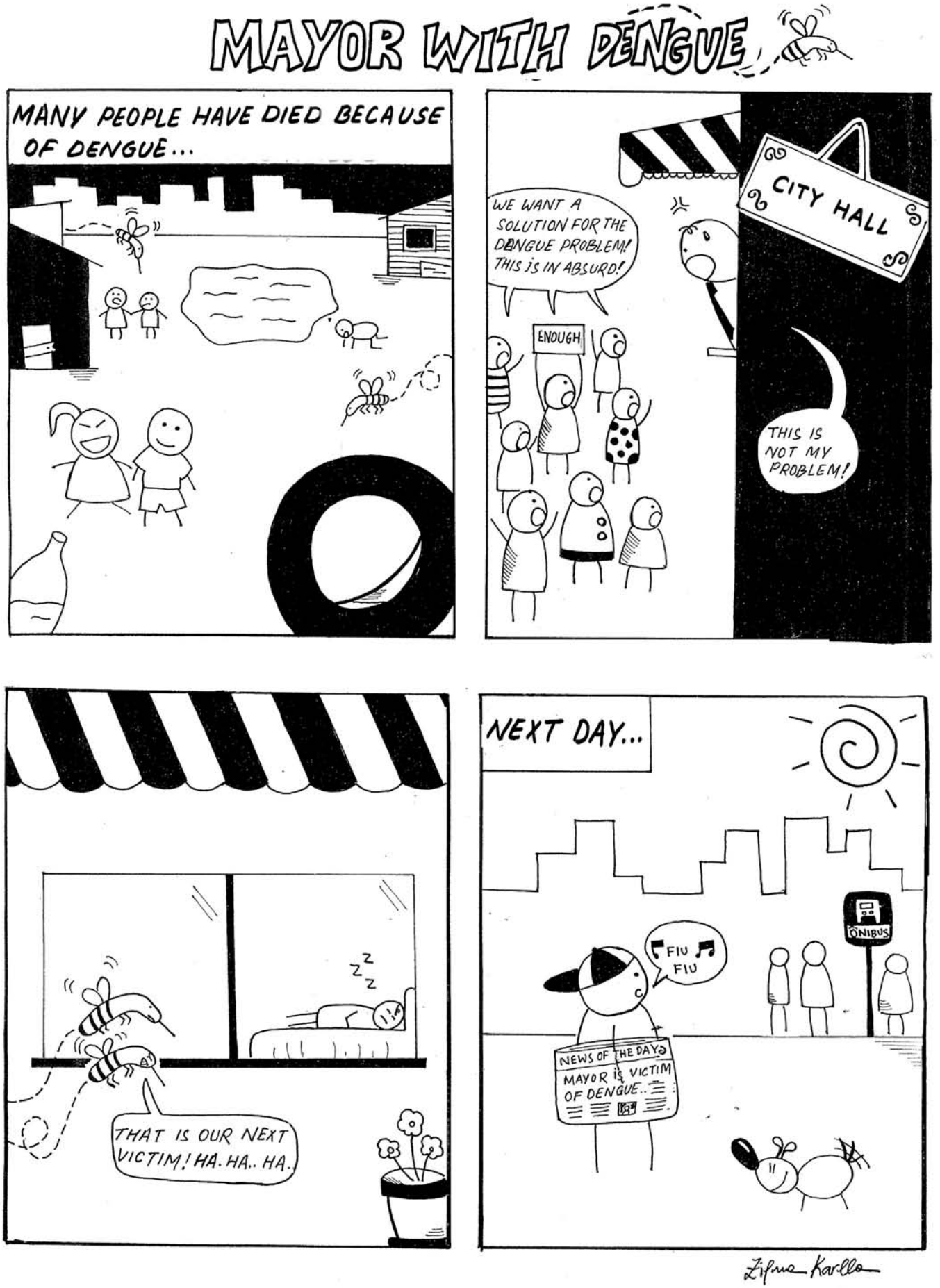

e;j dk Mkx & ,d ëkgj e Mkx l vud ekr gk pqdh gA ykx tc bdVBk gkdj e;j l bl d ckj e dk;okgh dju dk dgr g rk og bl l viuk iYyk >kM ysrk gA dN fnu ckn v[kckj e [kcj Nirh g ^Mkx dk vxyk fíkdkj e;j gvk*A ftYek] ckthy A

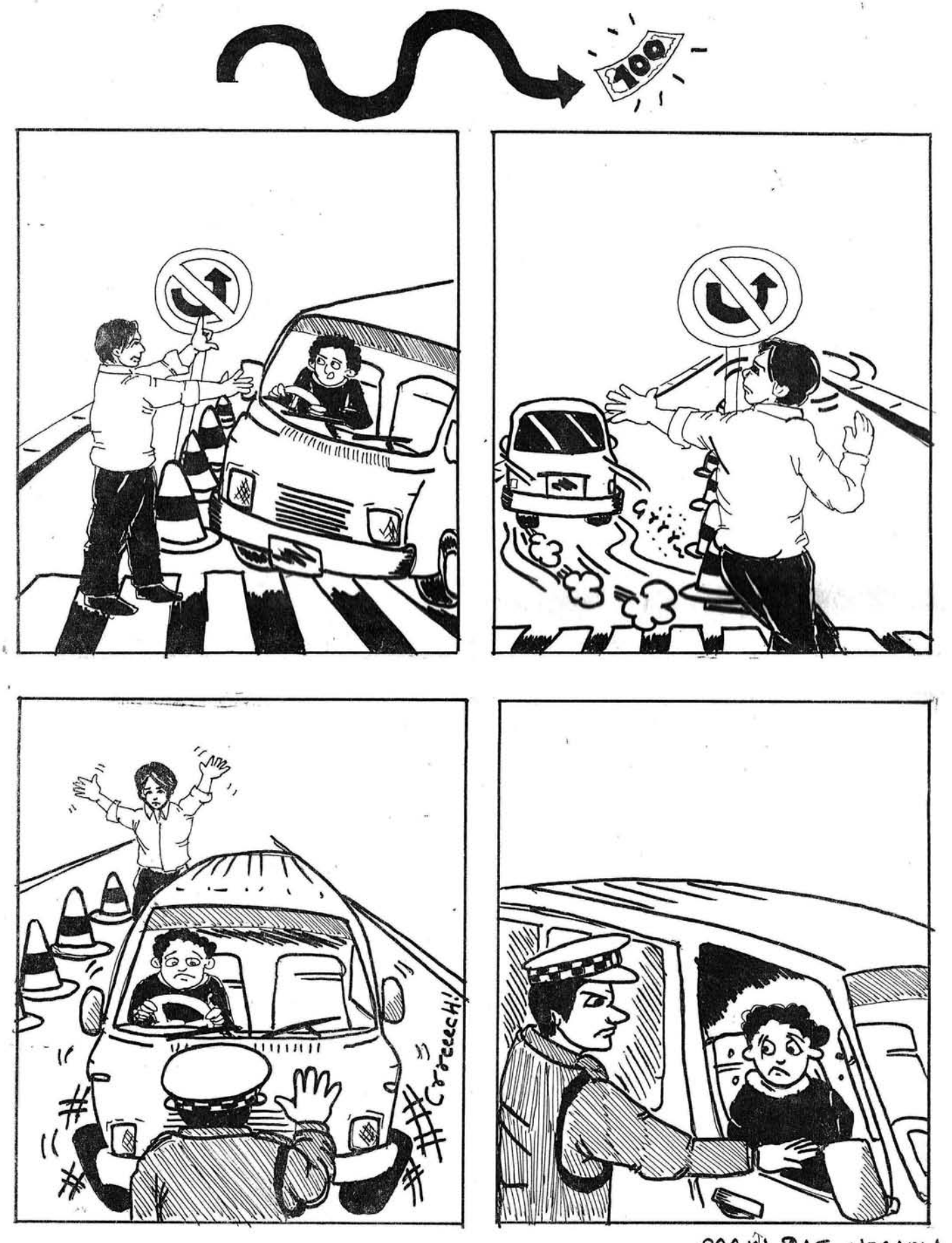

RABIN RAJ NIRAULA
ECCA - NEPAL

खुद करके देखें फिर बनाऐं

आम तौर पर पूछे जाने वाले प्रश्न !

केवल A-4 आकार के कागज ही क्यों ?

केवल A-4 आकार के कागज ही क्यों ?

क्योंकि ये हर जगह उपलब्ध होता है यहाँ तक की सुदुर गाँव में भी..

..और लगभग हर जगह A-4 आकार की फोटोकापी मशीन उपलब्ध रहती है ।

ये कॉमिक्स काले सफेद ही क्यों ?

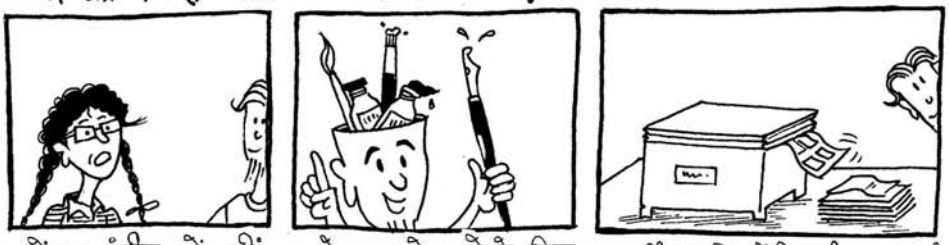

इन्हें हम रंगीन क्यों नहीं बनाते ?

काले कलम से बनाने के लिए आपको ज्यादा चीजों की जरूरत नहीं होगी..!

... और इन्हें फोटोकॉपी कराना भी आसान होता है ।

ये कॉमिक्स चार बक्सों की ही क्यों होते हैं ?

कलाकार होना जरूरी क्यों नहीं ?

ये कलाकारों द्वारा बनाए गये कॉमिक्स से कैसे अलग हैं?

स्थानीय व्यक्ति अपने संस्कृति, रिवाज, पहनावे और आस-पास के दृश्यों को बेहतर जानते हैं ।

स्थानीय मुहावरे और हास्य इन कॉमिक्स की ताकत होती है।

इन गलतियों से बचें ।

पात्रों के नाम उनके ऊपर न लिखें ।

आप उनके नाम संवादों में दे सकते हैं ।

पात्रों के बीच मे गुब्बारे न बनाएं ।

गुब्बारे को ऊपर और सीधी लकीरों में बनाएं ।

जो पहले बोलेगा वो बाएं होना चाहिए ..।

पहले सवाल आएगा और फिर जबाव लिखा जाएगा ।

मैं चित्र नहीं बना सकता तो मैं कॉमिक्स कैसे बनाऊँ ?

वॉल पोस्टर कॉमिक्स
कहीं भी लगाए जा

वॉल पोस्टर कॉमिक्स
स्थानीय मुद्दों पर
बहस शुरू करते हैं।

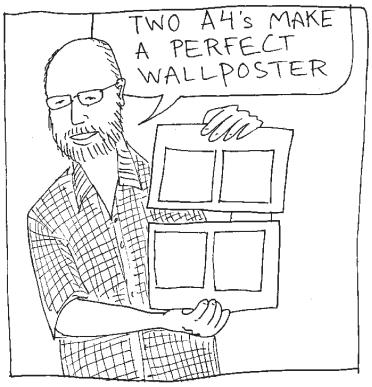

वॉल पोस्टर कॉमिक्स
बनाने में आसान और
लागत में सस्ते हैं।

World Comics-Finland
Leif Packalén
Vanamontie 4 E 156
01350, Vantaa, Finland
telephone +358-9-8736751 or cell phone +358-40-5318235
e-mail leif.packalen@worldcomics.fi

website: www.worldcomics.fi

COMICS POWER! always!

वर्ल्ड कॉमिक्स इंडिया
शरद शर्मा
बी–20–एस, दिल्ली पुलिस अपार्टमेंट
मयूर विहार, फेस–1,दिल्ली – 110091
दूरभाष : +91–11–22795015
e-mail: mail@worldcomicsindia.com

website: www.worldcomicsindia.com